भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 317

जिसका उत्तर दिनांक 03.02.2021 को दिया जाना है

लिथियम के भंडार

317. श्री जी. एस. वसवराज :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा प्रारंभिक भू-वैज्ञानिक अन्वेषण ने कर्नाटक राज्य में लिथियम जो एक रणनीतिक ऊर्जा उत्पादक खनिज है के बड़े भंडार की पुष्टि की गई है;

(ख) क्या वर्तमान में भारत ऑटो स्टोरेज और अन्य पावर पैक में इस्तेमाल होने वाले इस खनिज के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है; और

(ग) यदि हां, तो इस खनिज के अनुमानित भंडार का ब्यौरा क्या है और लिथियम भंडार को विकसित करने और इसके वाणिज्यिक दोहन के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) से (ग) परमाणु ऊर्जा विभाग की एक संघटक इकाई परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा भूमि की सतह और सीमित उप-सतह पर किए गए प्रारम्भिक सर्वेक्षण में मार्लागल्ला - अल्लापटना क्षेत्र, मंड्या जिला, कर्नाटक के पिगमेटाइट्स में 1,600 टन लिथियम स्रोतों (अनुमानित श्रेणी) की उपस्थिति का पता चला है ।

लिथियम नई प्रौद्योगिकियों के लिए एक मूल तत्व है और सिरेमिक, कांच, टेलिकम्यूनिकेशन और एरोस्पेस उद्योगों में इसका उपयोग होता है । लिथियम का प्रमुख उपयोग लिथियम आयन बैटरियां, लूब्रिकेटिंग ग्रीज, रॉकेट प्रोपेलेंट्स के लिए उच्च ऊर्जा एडिटीव, मोबाइल फोन के लिए ऑप्टीकल मॉड्यूलेटर और ताप-नाभिकीय अभिक्रिया अर्थात संलयन के लिए कच्ची सामग्री के रूप में प्रयुक्त ट्रीशियम के कन्वर्टर के रूप में हैं । ताप-नाभिकीय अनुप्रयोग लिथियम को परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 के अधीन "निर्धारित पदार्थ" माना गया है जो देश के विभिन्न भूगर्भीय कार्यक्षेत्रों में लिथियम के अन्वेषण के लिए एएमडी को अनुमति प्रदान करता है । लिथियम आयन बैटरियों की लगातार बढ़ती मांग के कारण, लिथियम की आवश्यकता पिछले कुछ वर्षों में बढ़ गई है ।

मार्लागल्ला - अल्लापटना क्षेत्र, मंड्या जिला, कर्नाटक में लिथियम संसाधनों का महत्व और उसकी मात्रा सम्पूर्ण क्षेत्र में अन्वेषण के पूरा होने के बाद ही स्थापित की जा सकती है । तत्पश्चात् लिथियम भंडार के वाणिज्यिक दोहन संबंधी योजना क्षेत्र विशेष में तकनीकी, सामाजिक और आर्थिक संभाव्यता संबंधी अध्ययनों के बाद ही आरम्भ की जा सकती है ।

* * * * *